डॉ० संगीता राय
अतिथि शिक्षक
संस्कृत विभाग
एच० डी० जैन कॉलेज, आरा

भाषा विज्ञान

प्रश्लिष्ट योगात्मक या समासप्रधान भाषाएँ :—

i) पूर्ण प्रश्लिष्ट

ii) आंशिक प्रश्लिष्ट

i) पूर्ण प्रश्लिष्ट :— इन भाषाओं में प्रकृति तथा प्रत्यय आदि के रूप में प्रयुक्त संज्ञा, सर्वनाम, कर्ता, कर्म, क्रिया आदि को एक समान समस्त पद के रूप में प्रयोग किया जाता है। परिणामतः वाक्य एक शब्द के समान प्रयुक्त होता है। यथा - अमरीका की 'चेरोकी' भाषा का उदाहरण = नाधोलिनिन = हमारे लिए एक नौका लाओ। तथा ग्रीनलैण्ड की 'एस्किओ भाषा' भी पूर्ण प्रश्लिष्ट है।

ii) आंशिक प्रश्लिष्ट :— आंशिक प्रश्लिष्ट भाषाओं में सर्वनाम एवं क्रियाओं का समास होता है एवं क्रिया का अस्तित्व ही शेष नहीं रहता। पिरेनीज पर्वतमाला में बोली जाने वाली 'बास्क' आंशिक प्रश्लिष्ट भाषा है।

3) श्लिष्ट योगात्मक या विभक्ति प्रधान भाषाएँ :— श्लिष्ट योगात्मक भाषाओं के वाक्यों में विभक्ति की प्रधानता होती है। प्रकृति से प्रत्यय की संयुक्तता घनिष्ठता के साथ होती है। इसमें प्रत्यय वस्तुतः प्रत्यय न होकर विभक्ति रूप में होता है। तथा रूप विकृत हो जाने पर भी सम्बन्ध तत्व छिपा नहीं होता। यथा 'इक' प्रत्यय के प्रयोग के द्वारा संस्कृत में वैदिक, ऐतिहासिक, नैतिक, भौगोलिक शब्द बनते हैं। तथा आरम्भ में वेद में वै, नीति में नै, इतिहास में ऐ व भूगोल में भी विकार आ गये हैं। इस प्रकार यहाँ सम्बन्ध एवं अर्थतत्व की प्रतीति स्पष्ट रूप से होती है। इस वर्ग की भाषाओं में संस्कृत, ग्रीक, लैटिन तथा अरबी भाषाएँ आती हैं।

श्लिष्ट योगात्मक को दो उपवर्गों में बाँटा गया है—

i) बहिर्मुखी श्लिष्ट

ii) अन्तर्मुखी "

बहिर्मुखी श्लिष्ट = विभक्ति-प्रधान भाषाएँ → इसमें विभक्ति = प्रत्यय प्रकृति के बाहर से जुड़ती है। तथा यह प्रकृति के पूर्व में भी जुड़ सकती है और अन्त में भी। भारोपीय परिवार की भाषाएँ संस्कृत, ग्रीक, लैटिन, अवेस्ता आदि इसी वर्ग में आती है। यथा - संस्कृत में - सः गच्छति (वह जाता है)- सः में प्रथमा विभक्ति और गच्छति में 'ति' प्रत्यय विभक्ति अन्त में लगे हुए हैं। बहिर्मुखी विभक्ति प्रधान भाषाओं में संयोगात्मक यथा संस्कृत तथा वियोगात्मक यथा- हिन्दी दो अवस्थाएँ दृष्टिगोचर होती है।

अन्तर्मुखी श्लिष्ट या विभक्त प्रधान भाषाएँ :— अन्तर्मुखी भाषाओं में सम्बद्ध अंश अर्थ-तत्व के बीच में प्राप्त होते हैं। सेमेटिक परिवार की प्रमुख भाषा 'अरबी' तथा हेमेटिक परिवार की मिस्त्री भाषाएँ इस वर्ग में आती है। यथा - अरबी भाषा

आकृतिमूलक भाषाओं का वर्गीकरण